

एनएचएआई ने एनएच-44 पर घरौंडा टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) टोलिंग का पूर्ण पैमाने पर रोलआउट शुरू किया

बाधा-रहित यात्रा को सक्षम करने, भीड़भाड़ को कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी-संचालित टोल संग्रह प्रणाली

चंडीगढ़, 25 जून 2026: भारत सरकार के निर्बाध, बाधा-रहित और प्रौद्योगिकी-संचालित राजमार्ग यात्रा के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के पानीपत-जालंधर खंड पर घरौंडा टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) टोलिंग प्रणाली का पूर्ण पैमाने पर रोलआउट (शुरुआत) कर दिया है।

एमएलएफएफ (MLFF) टोलिंग प्रणाली का औपचारिक उद्घाटन एनएचएआई और इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (IHMCL), NHAI का तकनीकी अंग, द्वारा श्री राकेश कुमार, क्षेत्रीय अधिकारी, एनएचएआई चंडीगढ़, और श्री ए. आर. चित्रांशी, मुख्य परिचालन अधिकारी, आईएचएमसीएल की उपस्थिति में किया गया। यह रोलआउट भारत के अगली पीढ़ी के टोलिंग बुनियादी ढांचे और बुद्धिमान परिवहन प्रणालियों (इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम) की ओर संक्रमण में एक बड़ा मील का पत्थर है।

एमएलएफएफ प्रणाली पारंपरिक टोल प्लाजा से एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है, जो वाहनों को रुकने या धीमा होने की आवश्यकता के बिना टोल संग्रह को सक्षम बनाती है। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ETC) तकनीक का लाभ उठाते हुए, ओवरहेड गैट्री पर लगे उच्च-प्रदर्शन वाले सेंसर और कैमरे स्वचालित रूप से वाहनों की पहचान करते हैं और फास्टैग (FASTag) के माध्यम से उपयोगकर्ता शुल्क काट लेते हैं, जिससे राजमार्ग की गति पर निर्बाध यात्रा की अनुमति मिलती है।

- राजमार्ग उपयोगकर्ता अनुभव को बदलना

एमएलएफएफ टोलिंग की शुरुआत से यात्रा दक्षता और यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है:

- शून्य प्रतीक्षा समय (Zero Waiting Time)

भौतिक टोल बाधाओं (बैरियर्स) के हटने से वाहनों की सुचारु और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होती है, जिससे यात्रा में देरी और टोल बिंदुओं पर भीड़भाड़ कम होती है।

- ईंधन और यात्रा समय की बचत

टोल प्लाजा पर बार-बार ब्रेक लगाने, इंजन चालू रखकर खड़े रहने (आइडलिंग) और गति बढ़ाने की आवश्यकता को समाप्त करके, यह प्रणाली ईंधन की खपत को कम करने में मदद करती है और यात्रा के समय को तेज करती है।

उन्नत सड़क सुरक्षा

समर्पित एमएलएफएफ जोन को व्यापक सुरक्षा बुनियादी ढांचे से सुसज्जित किया गया है, जिसमें सुरक्षित आवाजाही की सुविधा के लिए उन्नत चेतावनी संकेत, रेट्रो-रिफ्लेक्टिव बैरिकेडिंग, क्रैश बैरियर और हाई-मास्ट लाइटिंग शामिल हैं, विशेष रूप से रात की यात्रा के दौरान।

एमएलएफएफ टोलिंग प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं

गैट्री-आधारित टोल संग्रह

राजमार्ग कॉरिडोर में स्थापित ओवरहेड गैट्री के माध्यम से उपयोगकर्ता शुल्क स्वचालित रूप से एकत्र किया जाता है। ये संरचनाएं लगभग 5.5 से 6.0 मीटर की न्यूनतम ऊर्ध्वाधर निकासी (वर्टिकल क्लीयरेंस) प्रदान करती हैं, जिससे सभी स्वीकृत वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होती है।

भीड़भाड़ मुक्त टोलिंग जोन

सुचारु यातायात प्रवाह और परिचालन दक्षता बनाए रखने के लिए, एमएलएफएफ टोलिंग जोन के दोनों ओर 200 मीटर के भीतर पार्किंग, अतिक्रमण और अनधिकृत ठहराव को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किए गए हैं।

मजबूत प्रवर्तन तंत्र (Enforcement Mechanism)

रूट पेट्रोल वाहन (RPVs) और स्थानीय प्रवर्तन एजेंसियां गलत दिशा में ड्राइविंग, नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ और टोल चोरी जैसे उल्लंघनों को रोकने के लिए एमएलएफएफ क्षेत्रों की सक्रिय रूप से निगरानी करेंगी।

असफल टोल भुगतान के लिए ई-नोटिस तंत्र

सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करते हुए राजस्व को सुरक्षित रखने के लिए, एनएचएआई ने उन मामलों के लिए एक संरचित ई-नोटिस तंत्र पेश किया है जहां फास्टैग के माध्यम से टोल भुगतान सफलतापूर्वक संसाधित नहीं होता है, जिसमें अपर्याप्त शेष राशि (इनसफिशिएंट बैलेंस), निष्क्रिय टैग या टैग से संबंधित समस्याएं शामिल हैं।

उपयोगकर्ता ई-नोटिस की जांच कैसे कर सकते हैं

सड़क उपयोगकर्ता निर्दिष्ट एनआईसी (NIC) पोर्टल के माध्यम से ई-नोटिस को सत्यापित और प्रबंधित कर सकते हैं: nhfeenotice.parivahan.gov.in

उपयोगकर्ता अपने वाहन पंजीकरण संख्या को दर्ज करके और वाहन (VAHAN) डेटाबेस में पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए वन-टाइम पासवर्ड (OTP) के माध्यम से प्रमाणित करके पोर्टल तक पहुंच सकते हैं।

भुगतान की समयसीमा

- 72 घंटे के भीतर भुगतान: सामान्य लागू टोल दर (1x) पर देय उपयोगकर्ता शुल्क।
- 72 घंटे के बाद भुगतान: निर्धारित प्रावधानों के अनुसार, लागू टोल दर से दोगुनी दर (2x) पर देय उपयोगकर्ता शुल्क।

शिकायत निवारण

ऐसे मामलों में जहां वाहन मालिक को लगता है कि ई-नोटिस गलत तरीके से जारी किया गया है, समीक्षा और समाधान के लिए जारी होने के 72 घंटों के भीतर एनआईसी पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज की जा सकती है।

सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सलाह

एनएचएआई सभी राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को सलाह देता है कि वे:

- अपने फास्टैग खातों में हर समय पर्याप्त शेष राशि बनाए रखें।
- सुनिश्चित करें कि फास्टैग सक्रिय रहें और वाहन की विंडशील्ड पर ठीक से लगे हों।
- स्पष्ट और अनुपालन वाली उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (HSRP) का उपयोग करें।
- यातायात अनुशासन का पालन करें और एमएलएफएफ जोन के भीतर संकेतों का पालन करें।

घरौंडा टोल प्लाजा पर एमएलएफएफ टोलिंग का कार्यान्वयन भारत की एक आधुनिक, कुशल और बुद्धिमान राजमार्ग नेटवर्क की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बाधा-रहित टोल संग्रह के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर, एनएचएआई का उद्देश्य यात्रियों की सुविधा बढ़ाना, यात्रा के समय को कम करना, ईंधन दक्षता में सुधार करना और एक सुरक्षित व अधिक टिकाऊ सड़क परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।
